GK पुस्तकालय ज्ञान का अभिलेख

दोनों पक्षों को बराबर समय दिया, फिर ग़लत क्यों ? झूठा संतुलन (False Balance)

लेख का पता

https://www.gklibrarykor.com/hi/article/19582/

PDF लेआउट का नमूना - केवल अंश

किसी समाचार बहस कार्यक्रम में एक कुर्सी पर अनगिनत शोध परिणामों का प्रतिनिधित्व करने वाला वैज्ञानिक बैठा है, और दूसरी कुर्सी पर अल्पमत की राय रखने वाला टिप्पणीकार, और दोनों को बोलने के लिए ठीक बराबर समय मिलता है। अगर बाहर से निष्पक्ष दिखने वाला यही दृश्य दर्शकों को ग़लत निष्कर्ष की ओर ले जाए तो ? पत्रकारिता और संचार के अध्ययन में इस घटना को 'झूठा संतुलन (False Balance)' कहा जाता है। झूठा संतुलन का सरल अर्थ है 'साक्ष्य के वज़न में बहुत अलग दो दावों को ऐसे रिपोर्ट करना मानो वे बराबर हों, और उन्हें समान महत्व देना'। अंग्रेज़ी में इसे 'हमेशा दोनों पक्ष कहना' के अर्थ वाले bothsidesism शब्द से भी जाना